विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय.
रूपम कुमारी, वर्ग-दशम् ,विषय-हिन्दी 🌷🌷
दिनांक- ११/७/२०. 🍂अध्ययन-सामग्री🍂.

N.C. E..R .T. पाठ्यक्रम

सुप्रभात बच्चों,

लक्ष्य तक पहुँचे बिना ,पथ में विश्राम कैसा !
लक्ष्य है अति दूर दुर्गम मार्ग भी हम जानते हैं
किंतु पथ के कंटकों को हम सुमन ही मानते हैं
जब प्रगति का नाम जीवन, यह अकाल विराम कैसा !

उपरोक्त पंक्तियों में ही मानव जीवन का सार छिपा हुआ है ; अर्थात् , परिस्थितियाँ कैसी भी हो हमें निरंतर आगे पढ़ते ही रहना होगा ।. आज की कक्षा में हम पत्र पर चर्चा करेंगे ,उसके बाद आपको विज्ञापन का अभ्यास करवाएँगे तथा जितने chapter पढाए गए हैं ,उसकी जाँच परीक्षा हम 21/7/20 को बोर्ड आधारित question pattern पर लेंगे ताकि आप अभ्यस्त हो जाएँ ।

पत्र-लेखन :

पत्र– लेखन वह साधन है जिसके जरिए दो दुरस्थ व्यक्तियों के बीच भावों तथा विचारों का आदान-प्रदान होकर आत्मीयता प्रगाढ़ होती है ।

मुख्यतः इसके दो प्रकार होते हैं –

औपचारिक पत्र तथा अनौपचारिक पत्र

औपचारिक पत्र – पत्र का वह प्रकार जो एक निश्चित प्रारूप में होता है । इसमें बेहद जरूरी बातें ही शामिल होती हैं तथा भाव-विस्तार नहीं होता ।

अनौपचारिक पत्र- पत्र का वह प्रकार जो एक निश्चित प्रारूप का होते हुए भी भावना प्रधान होता है । यह संक्षिप्त और विस्तृत दोनों हो सकता है ।

औपचारिक पत्र के प्रकार –

- ***प्रार्थना-पत्र***

- ***आवेदन-पत्र***
- ***कार्यालयी. - पत्र***
- ***शिकायती -पत्र***
- ***संपादकीय-पत्र***
- ***व्यावसायिक पत्र***
-
- ***अनौपचारिक /व्यक्तिगत -पत्र के प्रकार :***
- ***बधाई -पत्र***
- ***धन्यवाद -पत्र***
- ***शुभकामना -पत्र***
- ***निमंत्रण -पत्र***
- ***संवेदना - -पत्र***
- ***अन्य विविध प्रकार के -पत्र***
-

आज बस इतना ही ,शेष कल ....

<u>दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें और काँपी में लिखें ।</u>